सत्र 10, व्यवस्थाविवरण 19 - 25 सामुदायिक कानून

डॉ. सिंथिया पार्कर

यह डॉ. सिंथिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 10, व्यवस्थाविवरण 19 - 25 सामुदायिक कानून है।

व्यवस्थाविवरण 19-25 की समीक्षा और परिचय

इसलिए, हम अभी भी कानून संहिता के बीच में हैं। अब हमने इस कानून संहिता के बारे में अध्याय 12 से बात करना शुरू किया, और हमने 12, 13, 14, 15 को देखा, और हम अध्याय 16 में दावत और अध्यायों में नेताओं की स्थापना तक जा रहे हैं। 16 का अंत 17 और 18 में।

बाकी क़ानून संहिता काफ़ी अलग है. यह अब तक हमारे कानून संहिता में मौजूद हर जगह की तुलना में बहुत अलग तरीके से पढ़ा जाता है। इसलिए, जैसे ही हम अध्याय 19 को देखना शुरू करते हैं, हम कानून संहिता के एक अलग प्रारूप को देख रहे हैं। तो, पिछले अध्यायों में, हमारे पास अध्याय 14 की तरह पूरे अध्याय थे, जो कोषेर और आहार संबंधी कानूनों के बारे में बात करते हैं। या सभी 17 और 18 जो नेताओं के बारे में बात कर रहे हैं। अब जैसे ही हम अध्याय 19 से 25 तक आगे बढ़ते हैं, हमें कानूनों का बिखराव मिलता है। तो, अब एक अध्याय केवल एक विषय नहीं रह गया है। इसलिए, कुछ कानूनों का एक-दूसरे से थोड़ा सा समूह है, जिनका एक-दूसरे से कुछ लेना-देना है।

एक और चीज़ जो हमें इन कानूनों के बारे में बिल्कुल अलग लगेगी वह यह है कि चुनी गई जगह के साथ हमारी बातचीत समान नहीं है। अब तक, अध्याय 12 से शुरू करके, चुने हुए स्थान की स्थापना में, हमने शहर के फाटकों और चुने हुए स्थान के बीच बहुत आगे-पीछे किया है। वितरित स्थानों में लोगों से अपेक्षित धार्मिकता वैसी ही है जैसी उस धार्मिकता की अपेक्षा की जाती है जहां भगवान निवास करेंगे। इसलिए, यह चुनी गई जगह इजरायली समाज को संगठित करने का एक बहुत ही महत्वपूर्ण तरीका रही है। अब हम अध्याय 19 पर आते हैं, और हमारे पास चुने हुए स्थान का कोई संदर्भ नहीं है।

इसलिए, यह रूप में, कानूनों की ध्वनि में, और इन ग्रंथों में चुने गए स्थान की अनुपस्थिति में काफी भिन्न है। हालाँकि, हम जो देखने जा रहे हैं, वह उन विषयों की निरंतरता है जिन्हें ड्यूटेरोनॉमी विकसित कर रहा है: यह विचार कि इज़राइली एक हैं, "आप" जो एकवचन और बहुवचन दोनों हैं, इसमें रहने वाले सभी लोगों की ज़िम्मेदारी है भूमि का प्रबंधन करना, इस उपहार की देखभाल करना, जो भगवान ने उन्हें दिया है, और जिम्मेदारी उनसे अपेक्षित है। इसलिए, हम इन अध्यायों में व्यक्ति, समुदाय और उन दोनों द्वारा साझा की जाने वाली जिम्मेदारियों पर बहुत अधिक जोर देखते हैं।

व्यवस्थाविवरण 19: आकस्मिक हत्या

तो, हम आगे बढ़ेंगे और व्यवस्थाविवरण 19 को देखकर शुरुआत करेंगे। और अध्याय 19 हमें इस मामले से रूबरू कराएगा कि जब कोई आकस्मिक हत्या होती है तो क्या होता है।

इसलिए, मैं स्क्रीन पर एक नक्शा रखने जा रहा हूं क्योंकि हमने शुरुआती व्याख्यानों में शरण शहरों की स्थापना के बारे में बात की थी जब हम ऐतिहासिक अध्याय 1 से 3 पर काम कर रहे थे। वास्तव में, एक से चार तक, हम अंत तक पहुंच गए थे चार और कहा कि अध्याय 5 से पहले, और दस आज्ञाओं की पुन: घोषणा से पहले, हम डिकालॉग में पहुँचे, हमारे पास ये छंद थे जहाँ मूसा खड़े होते हैं, और वह इस्राएलियों से कहते हैं कि आपको शरण के शहर स्थापित करने की आवश्यकता है और उन्होंने तीन नाम बताए उनमें से।

खैर, अध्याय 19 शरणार्थी शहरों की स्थापना की उसी अवधारणा के साथ शुरू होने जा रहा है, सिवाय इसके कि यह व्यवस्थाविवरण 4, छंद 41 से 43 से थोड़ा अलग है। इसलिए, मैं वास्तव में इस मानचित्र पर चिह्नित कर सकता हूं कि वे शहर कहां हैं क्योंकि वे शहर हैं अध्याय 4 में विशेष रूप से नामित किया गया है। हालाँकि, जब हम व्यवस्थाविवरण 19 पर पहुँचते हैं, तो इन शहरों का नाम नहीं दिया जाता है। उनके पीछे संगठन का एक सामान्य विचार अधिक है। इसलिए, मैं सबसे पहले यह स्थापित करने के लिए अध्याय 19 को पढ़ने जा रहा हूं कि शरणार्थी शहर क्या है।

अब, मैं श्लोक चार को पढ़ना शुरू करने जा रहा हूँ। "अब यह उस हत्यारे का मामला है जो वहां से भाग सकता है और जीवित रह सकता है जब वह अपने दोस्त को अनजाने में मार देता है, पहले उससे नफरत नहीं करता है।" और फिर हमें थोड़ा सा मिलता है, उदाहरण के लिए। "जैसे कोई मनुष्य अपने मित्र के साथ जंगल में लकड़ी काटने जाए, और पेड़ काटने के लिए अपने हाथ से कुल्हाड़ी घुमाए, और लोहे का सिर हत्थे से छूटकर उसके मित्र पर ऐसा लगे कि वह मर जाए। वह एक के पास भाग जाए इन नगरों का। अन्यथा, खून का बदला लेने वाला अपने क्रोध की गर्मी में खूनी का पीछा कर सकता है और उसे पकड़ सकता है क्योंकि रास्ता लंबा है और उसकी जान ले सकता है, हालांकि वह मौत के लायक नहीं था क्योंकि उसने पहले उससे नफरत नहीं की थी।

तो, यह उदाहरण वास्तव में अच्छी सांस्कृतिक जानकारी से भरा हुआ है। तो, सबसे पहले, हम कह रहे हैं कि हत्यारा हत्यारे से अलग है। तो कोई है जो हत्या करता है, जिसने हत्या की योजना बनाई है, जिसने नफरत से काम किया है और किसी को ढूंढने और उन्हें मारने के लिए निकला है। हम उस बारे में बात नहीं कर रहे हैं.

हम बात कर रहे हैं आकस्मिक मौतों की. तो, क्या होगा यदि कुल्हाड़ी का सिर कुल्हाड़ी से निकल जाए, किसी को लगे और वह मर जाए? खैर, समस्या यह है कि जब आप ऐसी संस्कृति में रहते हैं जिसमें आपकी पहचान आपके परिवार से होती है। फिर परिवार में किसी के साथ किया गया कोई दुष्कर्म या अपराध, किसी एक व्यक्ति के साथ किया गया अपराध, आपने भी पूरे परिवार के साथ किया होगा।

इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि आप आते हैं और मुझे मार देते हैं और यह एक दुर्घटना थी, और हम इस बिंदु तक बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं, व्यवस्थाविवरण के माध्यम से दोस्ती कायम कर रहे हैं। लेकिन तुमने गलती से मुझे मार डाला. परंपरागत रूप से, मेरे पिता को तुम्हें जाकर मारने का अधिकार है। यह मेरे खून का बदला है. व्यवस्थाविवरण कहता है कि जब यह आकस्मिक होता है कि जिस व्यक्ति ने गलती से हत्या कर दी है, तो वह आप ही होंगे, आपके पास शरण के शहर में भागने का अवसर है। और आप शरणार्थी शहर में अभयारण्य पा सकते हैं। और फिर मेरे पिता, या मेरे परिवार के सदस्य, जो तुम्हारा पीछा कर रहे हैं, तुम्हें नहीं मार सकते।

अब, आप कह सकते हैं, लेकिन फिर आप हत्या करके बच जाते हैं। एक तरह से, हाँ, यह सच है। आपको आकस्मिक हत्या के लिए नहीं मारा गया है, बल्कि आपने अपना परिवार छोड़ दिया है, आपने अपनी ज़मीन छोड़ दी है, आपने अपनी पारिवारिक विरासत छोड़ दी है। एक तरह से वह एक प्रकार की मृत्यु ही है। यह सिर्फ आपका गिरा हुआ खून नहीं है, एक तरह की मौत है।

शरण के शहर

इसलिए, जब व्यवस्थाविवरण कहता है कि आपको इस उद्देश्य के लिए इस प्रकार के शहर स्थापित करने की आवश्यकता है, तो यह उन शहरों के बारे में यही कहता है। श्लोक सात में, "इसलिये मैं तुम्हें यह आज्ञा देता हूं, कि तुम अपने लिये तीन नगर अलग रखोगे। यदि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे पूर्वजों से शपथ खाई हुई के अनुसार तुम्हारे क्षेत्र को बढ़ाए, और वह सारा देश तुम्हें दे दे जिसे देने का वचन उस ने तुम्हारे पूर्वजों को दिया था, यदि तू इन सब आज्ञाओं को जो मैं आज तुझ को सुनाता हूं चौकसी से माने, और अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करके उसके मार्गों पर सर्वदा चलता रहे, तो पहिले तीन नगरों को छोड़ अपने लिये तीन और नगर और बना ले। इस प्रकार बीच में किसी निर्दोष का खून न बहाया जाएगा। तेरे उस देश में से, जिसे तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे निज भाग करके देता है, और खून का दोष तुझ पर लगे। परन्तु यदि कोई मनुष्य अपने पड़ोसी से बैर रखता हो, और झूठ बोलकर उसकी बाट जोहता हो, और उठकर उसे ऐसा मारे कि वह मर जाए। और वह उन नगरों में से किसी को भाग जाए, तब उस नगर के पुरनिये लोगों को भेजकर उसे वहां से पकड़ लें, और खून के पलटा लेनेवाले के हाथ में सौंप दें, कि वह मार डाला जाए। उस पर तरस न खाना, परन्तु खून को शुद्ध करना। इस्राएल के निर्दोष लोगों में से इसलिये कि तुम्हारा भला हो।

ठीक है, तो फिर, हत्यारे, यदि उन्होंने वास्तव में जानबूझकर इस हत्या की योजना बनाई है, और वे किसी की हत्या करते हैं, तो वे हत्यारा होने का दिखावा नहीं कर सकते। वे यह दिखावा नहीं कर सकते कि यह एक दुर्घटना थी और शरणार्थी शहर में भागकर छुप नहीं सकते। तो शरण का शहर वास्तव में उन लोगों के लिए है जो अनजाने में हत्या करते हैं।

इसलिए, जब हम देखते हैं कि शहरों को अच्छी तरह से कैसे चुना जाता है, श्लोक 8 और 9 में, शहरों को इस तरह चुना जाता है कि वे सभी से समान दूरी पर हों। दूसरे शब्दों में, आप एप्रैम के क्षेत्र में शरण नगर की स्थापना नहीं करते क्योंकि एप्रैम एक प्रभावशाली जनजाति है। या आप शिमोन के क्षेत्र में एक स्थापित नहीं करते या स्थापित करने में विफल रहते हैं क्योंकि शिमोन एक कमजोर या छोटी जनजाति है, है ना? वास्तव में कानून ऐसे नहीं चलते। देखिए, आप शहरों का निर्माण इस आधार पर करते हैं कि विभिन्न क्षेत्र कितने शक्तिशाली हैं। आप इसे एक समान दूरी पर बनाते हैं ताकि किसी को भी, चाहे आप कहीं भी रहते हों, भागने और शरणार्थी शहर में शरण पाने का समान अवसर मिले।

यह बहुत अनुचित होगा, उदाहरण के लिए, यदि शरण के सभी शहर पहाड़ी देश के ठीक बीच में होते, क्योंकि तब, जो लोग तटीय मैदान पर हैं या जो लोग बहुत दूर उत्तर में हैं, उन्हें बहुत दूर जाना होगा यात्रा करना। और यदि वे शरणार्थी शहर तक पहुंचने के लिए वास्तव में बहुत दूर यात्रा कर रहे हैं, तो सड़क पर खून का बदला लेने वाले के उनसे आगे निकल जाने की संभावना बहुत अधिक है।

इसलिए, व्यवस्थाविवरण इसे सभी लोगों के लिए समान बनाने के लिए कहता है। ऐसे नगर बसाओ जो समान दूरी पर हों। यदि आप अपने क्षेत्र का विस्तार करते हैं, तो तीन और जोड़ें। तो, अध्याय 19 और अध्याय 4 के बीच का अंतर 4 में है, हमने उनका नाम दिया है। अध्याय 19 में, हमारा दृष्टिकोण है कि जब आप किसी भूमि पर जाएँ, तो अपने लिए इन स्थानों को चुनें, बस यह सुनिश्चित करें कि वे सभी से समान दूरी पर हों।

निर्दोषों का खून बहाना और न्याय

तो, निर्दोष का खून बहाने में क्या गलत है? खैर, रक्त हर जानवर या हर प्राणी, हर इंसान की जीवन शक्ति है। और इसलिए, जो खून बहाया जाता है उस पर बहुत विशेष ध्यान दिया जाता है। यह लगभग पवित्र है. और इसलिए निर्दोष खून का बदला लिया जाना चाहिए।

तो, यह सभी लोगों के लिए न्याय के बारे में क्या कहता है? खैर, यह कहता है कि सभी को न्याय पाने का समान अवसर मिलना चाहिए। और यह हमें बताता है कि लोग, नागरिक, यहां तक कि शरणार्थी शहरों के भी, वे यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं कि यदि कोई वास्तव में हत्या का दोषी है, तो उस व्यक्ति को उस अपराध या उस पाप के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए।

इस विचार पर वापस जाएं कि रक्त इतना पवित्र क्यों है? मैं गॉर्डन मैककॉनविले का एक उद्धरण पढ़ना चाहूंगा, यह उनकी व्यवस्थाविवरण टिप्पणी से आया है। मैककॉनविल कहते हैं, "खून फैलाने का परिणाम न केवल हत्यारे को न्यायिक दंड के लिए उत्तरदायी बनाता है, बल्कि भूमि को धार्मिक रूप से अशुद्ध भी बनाता है। और व्यवस्थाविवरण के लिए, वह कहां पर इतना ध्यान देता है; यह इतना अधिक ध्यान देता है भूमि और प्रकृति पर ध्यान। यह धार्मिकता और सही जीवन की ओर देख रहा है जो भूमि की देखभाल भी करता है। यह सुनिश्चित करना कि भूमि स्वयं अशुद्ध नहीं है, एक प्रमुख विषय या कुछ और है जो लेखक के दिमाग में सबसे आगे है व्यवस्थाविवरण।"

अज्ञात हत्यारे या हत्यारे का मामला

अब हमारे पास एक और समस्या है क्योंकि व्यवस्थाविवरण 21 एक तरह से भौतिक रूप से संबंधित है, लेकिन हमारे पास सभी लोगों के लिए न्याय और जो निर्दोष खून बहाया गया है, उसे शुद्ध करने या कम से कम मुक्ति दिलाने के ये विचार हैं। लेकिन क्या होगा यदि आपके पास बताने के लिए कोई हत्यारा या हत्यारा न हो? तो, यही व्यवस्थाविवरण 21 हमारे लिए संबोधित कर रहा है।

तो, व्यवस्थाविवरण 21. मैं पद एक से शुरू करने जा रहा हूँ। इसमें कहा गया है, "यदि उस देश के खुले मैदान में, जिसे तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे अधिक्कारने को देता है, कोई मारा हुआ मनुष्य पड़ा हुआ पाया जाए, और यह मालूम न हो कि उसे किस ने मारा है, तो तेरे पुरनिये और न्यायी निकलकर उसे नापें। मारे गए मनुष्य के आस-पास के नगरों की दूरी। ऐसा होगा कि जो नगर मारे गए मनुष्य के सबसे निकट हो, अर्थात उस नगर के पुरनिये उस झुण्ड में से एक बछिया ले लें, जिस पर काम न किया गया हो, और जिसे खींचा न गया हो। और नगर के पुरनिये उस

बछिया को बहते हुए जल की तराई में, जो न जोती और बोई गई हो, ले जाएं, और उसी तराई में उस बछिया की गर्दन तोड़ दें, तब लेवी का पुत्र याजक आए । निकट। क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने उसे अपनी सेवा करने और यहोवा के नाम पर उसे आशीर्वाद देने के लिए चुना है, और हर विवाद और हर हमले का निपटारा उनके द्वारा किया जाएगा। मारे गए आदमी के निकटतम शहर के सभी बुजुर्ग और उस बछिया पर, जिसकी गर्दन तराई में तोड़ी गई हो, अपके हाथ धोएं, और उत्तर दें, कि यह लोहू हमारे हाथ ने नहीं बहाया, और न हमारी आंखोंने देखा। हे यहोवा, अपनी प्रजा इस्राएल को तू ने छुड़ा लिया है, उसे क्षमा कर। निर्दोष खून का दोष अपनी प्रजा इस्राएल पर मत डालो।' और उनका खून का अपराध क्षमा किया जाएगा।"

ठीक है। तो समस्या क्या है? एक हत्या की गई है. निर्दोषों का खून बहाया गया है. इस्राएल की भूमि, इस्राएल के बीच में जो कुछ है, वह भूमि और इस्राएल के लोग, वह भूमि कलंकित हो गई है। उस निर्दोष खून का बदला लेने के लिए कुछ तो करना ही होगा। और यदि उनके पास दोष देने के लिए कोई नहीं है, तो वह कौन है जो इसकी जिम्मेदारी लेता है? खैर, यह समुदाय के नेता हैं जो सामने आते हैं, जो उस स्थान के सबसे करीब हैं जहां हत्या हुई थी। लेकिन ध्यान दें कि सिर्फ जज ही नहीं आते हैं। यह सिर्फ शहर के द्वारों से एक प्रतिनिधि नहीं है जो जाता है। यह एक लेवी है, जो पूरे इस्राएल की पवित्रता के बारे में चिंतित है। तो, उन लोगों का एक प्रतिनिधि जो चुने हुए स्थान पर भगवान के सामने सेवा करते हैं।

तो, हमारे पास लेवी हैं जो सामने आते हैं, और हमारे पास लोगों के नेता हैं जो आते हैं, और वे ज़िम्मेदारी लेते हैं, और वे बहाए गए खून के लिए भगवान से माफ़ी मांगते हैं। यह बड़ी इज़रायली आबादी को छुड़ाने का एक तरीका है और भूमि को भी छुड़ाने का एक तरीका है।

हालाँकि यह थोड़ा सा ऐसा कानून लगता है जो इतना पुराना हो गया है कि अब इसकी परवाह करना हमारे लिए संभव नहीं है, लेकिन आधुनिक समय में इसे लागू करने के लिए यह मुझे हर समय प्रभावित करता है। मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि हमारे शहरों और हमारे पड़ोस में क्या होगा यदि समुदाय के नेता हर बार किसी के मरने पर सामने आएं और जिम्मेदारी लें और कहें, "यह हमारा समुदाय है। यह हमारी निगरानी में हुआ था। अब हम एक साथ मिलकर इसे भुनाने

की कोशिश कर रहे हैं। " यह कितनी अद्भुत बात होगी, बड़े समुदाय के लिए एक उदाहरण के रूप में कि हम किस प्रकार का स्थान बनाने का प्रयास कर रहे हैं, किस प्रकार का समाज बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

युद्ध पर - व्यवस्थाविवरण 20

इसलिए, शरणस्थलों के शहरों को खोजने के विचार से आगे बढ़ते हुए, अब हम युद्ध पर चर्चा करने जा रहे हैं, जो पुराने नियम के कानून की बात आने पर हमेशा एक पेचीदा विषय होता है। हम विशेष रूप से युद्ध पर ध्यान दे रहे हैं, जैसा कि अध्याय 20 में चर्चा की गई है। ऐसे अन्य कानून भी हैं जिनका युद्ध से संबंध है। मैं विशेष रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूं कि जब लोग युद्ध में जाएं तो उनकी मानसिकता क्या होनी चाहिए। तो, दूसरे शब्दों में, युद्ध के नियम जरूरी नहीं हैं, उनमें से थोड़ा सा है, और हम वहां पहुंचेंगे। लेकिन युद्ध की ओर बढ़ने का एक हिस्सा यह भी है कि मानसिकता क्या है? आप इस संघर्ष से कैसे निपटते हैं? तो, हम अध्याय 20 को देख रहे हैं।

इसलिए, पद 1 में, यह कहा गया है, "जब तू अपने शत्रुओं से युद्ध करने को निकले, और घोड़ों, रथों, और अपने से अधिक संख्या में लोगों को देखे, तो उन से मत डरना, क्योंकि तेरा परमेश्वर यहोवा, जो तुझे देश से निकाल लाया है।" मिस्र देश तुम्हारे साथ है।" इसलिए, हमें खुद को फिर से याद दिलाना होगा कि हमने इस भगवान को योद्धा विषय के रूप में देखा है। यह व्यवस्थाविवरण में पहले ही दिखाई दे चुका है। तो, अब युद्ध से निपटने वाले इस खंड में, हम लोगों को एक बार फिर याद दिला रहे हैं। तुम्हें डरना नहीं चाहिए क्योंकि ईश्वर ही है जो तुम्हारे साथ चलता है। ईश्वर एक योद्धा है, और वह आपके साथ चलता है। वह पहले ही मिस्र के साथ अपना कौशल साबित कर चुका है। और अब वह वही परमेश्वर है और तुम्हारे साथ जाएगा और वही काम करेगा। इसलिए, चूँकि युद्ध वास्तव में आप पर, आपकी धार्मिकता पर, आपकी ताकत पर या आपके पास मौजूद घोड़ों और रथों की संख्या पर निर्भर नहीं करता है, इसका आपसे कोई लेना-देना नहीं है।

इसलिए, पद 2 में कहा गया है, "जब तुम युद्ध के निकट पहुँचो, तब याजक निकट आकर लोगों से बातें करें। वह उस से कहे, 'हे इस्राएल, सुन, तू आज अपने शत्रुओं से युद्ध करने के लिये निकट आ रहा है, तुम्हारा हृदय न टूटना, न डरना, न घबराना, न उनके साम्हने कांपना। क्योंकि तुम्हारा परमेश्वर यहोवा ही है, जो तुम्हें बचाने के लिये तुम्हारे शत्रुओं से लड़ने को तुम्हारे साथ जाता है।' और हाकिम लोगों से यह भी कहे, कि वह कौन पुरूष है जिसने नया घर बनाया और उसका समर्पण न किया? वह चला जाए, और अपने घर को लौट जाए, नहीं तो वह युद्ध में मर जाएगा, और दूसरा मनुष्य उसका समर्पण करेगा। . वह कौन आदमी है जिसने अंगूर का बाग लगाया है और अभी तक उसका फल देखना शुरू नहीं किया है। " बेलों को वास्तव में अच्छा फल देने में आमतौर पर लगभग पांच साल, तीन साल लेकिन पांच साल लगते हैं। "'वह चला जाए और अपने घर को लौट जाए। नहीं तो वह युद्ध में मर जाएगा, और कोई दूसरा पुरूष उसका फल खाने लगेगा। और वह कौन पुरूष है, जो किसी स्त्री से ब्याह कर चुका है, और उस से ब्याह न किया हो? वह चला जाए, और अपने घर लौट जाओ। अन्यथा, वह युद्ध में मर सकता है, और कोई अन्य व्यक्ति उससे विवाह करेगा।' तब सरदार लोगों से आगे कहे, कि वह कौन मनुष्य है जो डरा हुआ और निराश है? वह चला जाए, और अपने घर को लौट जाए, ऐसा न हो कि वह अपके भाइयोंके मन को अपने मन की नाईं पिघला दे।'"

यह वास्तव में बहुत दिलचस्प है, और यह कहना बहुत अनोखा होगा कि जब आप युद्ध पर जाएं, तो इन सभी लोगों को घर जाने दें। अब, यदि हम इसकी विशिष्टताओं पर ध्यान दें, तो हम देखते हैं, मूल रूप से, यह कोई ऐसा व्यक्ति है जिसका घर अभी तक स्थापित नहीं हुआ है। यदि आपकी सगाई हो चुकी है, लेकिन आपने अभी तक अपने जीवनसाथी से शादी नहीं की है। आपके अभी तक बच्चे नहीं हैं. घर जाओ। परिवार शुरू करने का मौका है.

क्या होगा अगर आपने वह ज़मीन बोई है जो आपको विरासत में मिली है, आपने उस ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया है, आपके पास एक नया खेत है, आपने एक नई फसल लगाई है, और आप अभी तक इस तथ्य का आनंद नहीं ले पाए हैं कि भगवान ने हमें जल्दी दिया है और अन्त में

वर्षा होगी, और पृथ्वी तुम्हारे लिये उपज उपजाएगी। आपने अभी तक उसका आनंद नहीं उठाया है. घर जाओ। खेत से बाहर फल का आनंद लेने का मौका है।

आपने अभी तक अपना घर नहीं बनाया है. घर जाओ। घर बनाओ. तो बसाओ अपने परिवार का घर. यह यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि वे अगली पीढ़ी में भी अस्तित्व में बने रह सकें।

तो, इसकी शुरुआत इस बात से होती है कि ईश्वर योद्धा है। वैसे भी इसका वास्तव में आपसे कोई लेना-देना नहीं है, और इसलिए, यदि आपको युद्ध में जाने से पहले अपने घर और अपने परिवार की भलाई में खुद को स्थापित करने की आवश्यकता है, तो घर जाएँ। या यदि आप बिल्कुल डरे हुए हैं, तो मत जाइए। ईश्वर यह कार्य स्वयं कर सकता है।

हम वास्तव में ऐसा होते हुए देख रहे हैं। वास्तव में, हो सकता है कि आपने इसके बारे में सोचा हो, जैसा कि मैं इसके बारे में बात कर रहा था यदि आप न्यायाधीशों की पुस्तक में हैं, तो हमारे पास गिदोन है जो काफी बड़ी सेना को एक साथ खींचता है। और परमेश्वर गिदोन से कहता रहता है, उन मनुष्यों को घर भेज दो, उन मनुष्यों को घर भेज दो। मुझे यह साबित करने के लिए लोगों की एक विशाल सेना की आवश्यकता नहीं है कि मैं इज़राइल के बीच में हूं। मैं इसे केवल 300 आदमियों के साथ कर सकता हूँ। इसलिए, हमने यहाँ व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में जो कुछ देखा है उसकी थोड़ी सी प्रतिध्वनि हमें मिलती है।

सृष्टि के लिए इस्राएली देखभाल - व्यवस्थाविवरण 22 और 25: खोए हुए जानवर, पक्षी, गूंथे हुए बैल

कानूनों का अगला छोटा समूह जिसके बारे में मैं बात करना चाहता हूं वह यह विचार है कि व्यवस्थाविवरण केवल लोगों और उनके समुदाय को संबोधित नहीं कर रहा है और लोग और लोग कैसे बातचीत करते हैं। लेकिन यह इस बारे में भी बात करता है कि लोगों को बाकी सृष्टि के साथ कैसे बातचीत करनी चाहिए।

इसलिए, मैं अध्याय 22 को देख रहा हूं, और फिर हम अध्याय 25 में थोड़ा सा उठाएंगे। इसलिए, फिर से, क्योंकि ये कानून चारों ओर बिखरे हुए हैं। आइए देखें कि क्या हम यह पता लगा सकते हैं कि इनमें से कुछ अध्यायों या कुछ छंदों में कोई विषय है या नहीं।

तो, अध्याय 22 में, श्लोक 1 से 4 पढ़ने के माध्यम से, "तू अपने देशवासियों के बैल या उसकी भेड़-बकरियों को भटकते हुए न देखना और उन पर ध्यान न देना। तू उन्हें निश्चय ही अपने देशवासियों के पास लौटा ले आना। यदि तुम्हारे देशवासी निकट न हों।" और यदि तू उसे न जानता हो, तो उसे अपके घर में ले आना, और जब तक तेरे देश के लोग उसे ढूंढ़ न लें तब तक वह तेरे पास रहे; तब उसको उसको फेर देना। उसके गदहे से ऐसा ही करना; और उसके वस्त्र के साथ भी वैसा ही करना, और जो कुछ तेरे देशवासियोंने खोया हो, और जो उस ने खोया हो, और तुझे मिल गया हो, उसके लिये भी वैसा ही करना। तुझे उनकी उपेक्षा करने की आज्ञा नहीं है।

तो, एक विचार यह है कि ये जानवर भाग लेते हैं; वे घर की संपत्ति में योगदान करते हैं। ज्यादातर लोग सिक्के जमा नहीं कर रहे हैं. वे सोना-चांदी, टोटके और ऐसी चीजें जमा नहीं कर रहे हैं जिनसे धन मिलता है और उनके बेटे-बेटियों को विश्वविद्यालय जाने के लिए भुगतान मिलता है। उनके खेत, उनके वस्त्र, उनके पीसने के पत्थर और उनके जानवर उनकी पारिवारिक संपत्ति हैं।

और इसलिए, जब आप इसे देखते हैं, तो आप इन चीज़ों के साथ नैतिक रूप से व्यवहार करने के लिए ज़िम्मेदार होते हैं, भले ही वे इंसान न हों। तो, बैल भले ही इंसान न हो, लेकिन फिर भी आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप उसे सम्मान की दृष्टि से देखें और पहचानें कि वह बैल किसी अन्य व्यक्ति के घर में योगदान दे रहा है। और इसलिए, आप इस पर ध्यान देने और इसके साथ अच्छा व्यवहार करने के लिए बाध्य हैं।

श्लोक 6 में, हमारे पास है, "यदि तुम्हें रास्ते में किसी पेड़ पर या जमीन पर एक पक्षी का घोंसला मिले जिसमें बच्चे या अंडे हों और बच्चों या अंडों पर माँ बैठी हो। तो तुम माँ को नहीं ले जाना बच्चों के साथ। तुम माँ को अवश्य जाने दो। परन्तु बच्चों को तुम अपने पास रख लेना, ताकि तुम्हारा भला हो, और तुम बहुत दिन तक जीवित रह सको।"

तो फिर, यह काफी यादृच्छिक लगता है। हम वास्तव में पक्षियों की परवाह क्यों करते हैं, और यदि हम पक्षी और अंडे दोनों लेते हैं?

ठीक है, फिर से, क्योंकि व्यवस्थाविवरण अधिक दूरदर्शी है क्योंकि हम देख रहे हैं, हम एक पूर्ण और मजबूत समाज का विचार बना रहे हैं, जहां लोग फल-फूल रहे हैं, लेकिन उनके आसपास की भूमि और गैर-मानवीय रचना भी फल-फूल रही है। इसलिए, यदि घोंसले में माँ और अंडे या बच्चे भी हैं, तो आप बच्चे को ले सकते हैं लेकिन माँ को छोड़ सकते हैं। क्यों? यह उस पक्षी को अधिक चूज़े पैदा करने, पक्षी को उत्पादन जारी रखने की अनुमति देता है। इसमें आगे बढ़ने और और अधिक सृजन करने की क्षमता है। यद्यपि यदि आप उन दोनों को लेते हैं और यदि आप एक को मारते हैं और बाकी को खाते हैं, तो आप इन जानवरों की एक पीढ़ी को नष्ट कर रहे हैं। तो, यह सिर्फ ध्यान देने का एक तरीका है। क्या आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके बीच सभी चीज़ें फल-फूल रही हैं?

ठीक है, हमारे पास अध्याय 25 में एक और प्रतीत होता है, यादृच्छिक कानून है। यह एक कानून है जिसे किसी अन्य बातचीत के बीच में डाला गया है, लेकिन इसका जानवरों से भी लेना-देना है। श्लोक 4, "जब बैल दाँव रहा हो तो उसका मुँह न दबाना।" इसलिए, बैलों का इस्तेमाल अक्सर खलिहानों में किया जाता था। वे थ्रेसिंग स्लेज को अपने पीछे खींचते थे। और यदि तुम बैल को खुला छोड़ दो, तो ज़मीन पर बहुत सा अनाज है जिसे बैल खा सकता है। दरअसल, वह बैल ज़मीन पर अनाज का एक बड़ा हिस्सा खा सकता है। तो, आप सोच सकते हैं कि बैल का मुँह बंद करना और उसे सारा अनाज खाने से रोकना बहुत व्यावहारिक लगता है। यदि मैं वह सारा अनाज अपने परिवार के लिए चाहता हूँ, तो जो मैंने अभी काटा है वह मेरे परिवार को पूरे वर्ष के लिए आपूर्ति करेगा। मैं किसी जानवर को उसे क्यों खाने दूँगा?

खैर, व्यवस्थाविवरण यह पहचान रहा है कि जानवर ने आपके लिए काम किया है। वह जानवर आपके लिए काम करने की प्रक्रिया में है। वैसे भी ईश्वर ही है जिसने तुम्हें अनाज दिया है। बैलों को खाने दो।

सृष्टि की नैतिक देखभाल की इस अवधारणा पर डॉ. सैंडी रिक्टर ने काम किया है, और

व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में सृष्टि की नैतिक देखभाल दिखाने का क्या मतलब है, इसके बारे में उनके कुछ अद्भुत प्रकाशित लेख हैं। इसलिए, मैं आपको उनके कुछ और लेख पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करूंगा।

तो, हम एक तरह से इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि, व्यवस्थाविवरण में नियमों के आधार पर, प्रकृति को वास्तव में नियंत्रित करने के बजाय उसकी देखभाल की जाती है। हमारी आधुनिक अर्थव्यवस्था में, हम बाहर जाकर प्रकृति को नियंत्रित करना चाहते हैं या अपने लाभ के लिए वह सब कुछ लेना चाहते हैं जो हम कर सकते हैं। व्यवस्थाविवरण कहता है कि प्रकृति ईश्वर ने जो बनाया है उसका हिस्सा है। यह उसका हिस्सा है जिसे वह अच्छा कहते हैं। आप इसकी देखभाल कर सकते हैं. वास्तव में, इसकी देखभाल करें, न कि इसे नियंत्रित करें, हेरफेर करें और उस पर हावी हो जाएं।

सामाजिक नैतिकता: उधार कानून

तो, एक अन्य प्रकार का कानून जो हम इन अध्यायों में देखते हैं वह सामाजिक नैतिकता है। हम अध्याय 24 में इनमें से कई को खोजने जा रहे हैं। यह काफी हद तक कुछ विषयों, कुछ मुद्दों के समान होगा, जिनके बारे में हमने तब बात की थी जब हम व्यवस्थाविवरण 15 को देख रहे थे।

इसलिए, मैंने उन्हें कुछ विशेष प्रकार के विषयों के आधार पर स्क्रीन पर जो आप देखते हैं उसके आधार पर विभाजित किया है। तो, हम इन्हें एक-एक करके देखेंगे। सबसे पहले, हमारे पास 24:6 और फिर 10 में है। तो, अध्याय 24 के छंद 6 में, यह कहा गया है, "कोई भी हाथ की चक्की या ऊपरी चक्की को गिरवी में नहीं लेगा क्योंकि वह अपनी जान को गिरवी रखना चाहेगा।"

श्लोक 10 में, यह एक संबंधित विषय है; इसमें कहा गया है, "जब तू अपने पड़ोसी को किसी प्रकार का ऋण दे, तो उसकी बन्धक लेने के लिये उसके घर में प्रवेश न करना। वह कंगाल है, उसकी बन्धक के विषय में तू न सोना। जब सूर्य अस्त हो जाए, तब उसको बन्धक की हुई वस्तु

निश्चय लौटा देना, कि वह अपने वस्त्र में सोकर तुझे आशीर्वाद दे, और यह तेरे यहोवा के साम्हने तेरा धर्म ठहरेगा। ईश्वर।"

इसलिए, कानून यह है कि यदि तुम्हारे बीच में सबसे गरीब लोग हैं, तो उनसे उनकी आजीविका न छीनें। यदि प्रलोभन यह है कि कोई गरीब महिला है, और वह अनाज पीसकर अपना जीवन यापन कर रही है, तो उसे ऋण के लिए गिरवी के रूप में केवल एक ही चीज देनी होगी, या जो पैसा वह मांग रही है, वह उसकी एकमात्र वस्तु है, जो है उसका पीसने का पत्थर. लेकिन उसे उससे दूर मत करो। यह उससे ऋण चुकाने की क्षमता छीन लेता है। तो, लंबा दृष्टिकोण अपनाएं।

लोगों के लिए अपने बाहरी लबादे का उपयोग करना भी काफी आम था, जो एक बहुत ही बहुउद्देश्यीय प्रकार का परिधान है। आप इसे रोल करके तकिए की तरह इस पर सो सकते हैं। आप इसे अपने ऊपर रखकर कंबल की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। जब वह सड़क पर निकली तो यह विनम्रता का प्रतीक था। यह एकमात्र ऐसी चीज़ हो सकती है जिसे किसी गरीब व्यक्ति को ऋण के लिए संपार्श्विक के रूप में देने की प्रतिज्ञा करनी पड़ती है। लेकिन वह मत लो. आप इसे प्रतीकात्मक रूप से ले सकते हैं, लेकिन जब रात का समय हो और उन्हें इसकी आवश्यकता हो, तो इसे उन्हें वापस दे दें। इसे उस उदारता का हिस्सा बनने दें जो आप साझा करते हैं।

वेतन का समय पर भुगतान

वेतन भुगतान के बारे में भी काफी कुछ कहा जा सकता है। इसलिए, श्लोक 14 और 15 में, "किसी गरीब और दरिद्र मजदूर पर अत्याचार न करना, चाहे वह तुम्हारे देशवासियों में से हो, चाहे तुम्हारे देश में तुम्हारे नगरों में रहनेवाले परदेशियों में से हो। तुम उसे उसकी मजदूरी दोगे।" सूरज डूबने से पहले उसका दिन। क्योंकि वह कंगाल है, और उस पर अपना मन लगाता है। ऐसा न हो कि वह तेरे विरूद्ध यहोवा की दोहाई दे, और यह तुझ में पाप ठहरे।

यह देखना बहुत दिलचस्प है कि नौकरों को भुगतान करने से संबंधित कानून सिर्फ इस्राइली नौकरों के लिए नहीं है, न केवल इस्राइली कर्मचारियों के लिए, बल्कि गेर के लिए दूसरा व्यक्ति भी है, यहां तक कि विदेशी भी, जिसके पास आपके बीच जमीन नहीं है, लेकिन वह आपके

बीच में रह रहा है। दोनों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाता है और एक जैसा व्यवहार किया जाता है और एक ही तरह का वेतन दिया जाता है। और क्योंकि वे गरीब हैं, उन्हें संभवतः दिहाड़ी मजदूर के रूप में हर दिन भुगतान की आवश्यकता होती है। उन्हें भुगतान करने की आवश्यकता है ताकि उनके पास भोजन हो जिसे वे बाद में शाम को खा सकें। इसलिए उन्हें रोकें नहीं. उन पर आपके पास मौजूद शक्ति में हेरफेर न करें । इसलिए, सुनिश्चित करें कि आप उन्हें उचित वेतन और उचित कीमत और समय पर भुगतान कर रहे हैं।

समान न्याय

हमारा यह भी विचार है कि सभी को एक ही प्रकार का न्याय मिले। इसलिए, जब हम अध्याय 16 के अंत और अध्याय 17 की शुरुआत को देख रहे थे तो हमने इस पर थोड़ा ध्यान दिया। लेकिन हम फिर से पढ़ेंगे, इसलिए यह व्यवस्थाविवरण 24 है। मैंने अभी अपना स्थान खो दिया है, छंद 17 और 18। "किसी परदेशी वा अनाथ का न्याय न बिगाड़ना, और न किसी विधवा का वस्त्र बन्धक रखना। परन्तु यह स्मरण रखना, कि तुम मिस्र में दास थे, और यहोवा तुम्हारे परमेश्वर ने तुम को वहां से छुड़ा लिया है। इसलिथे मैं तुम्हें आज्ञा देता हूं, ये काम करो।"

उन लोगों पर और अधिक अत्याचार करना वास्तव में आसान है जिनके पास बहुत अधिक संसाधन नहीं हैं। तो, विधवा, जिसके पास सार्वजनिक रूप से उसका बचाव करने के लिए कोई पति नहीं है; या एक अनाथ जिसके पास पालने के लिए माता-पिता नहीं हैं; या तुम्हारे बीच परदेशी, परदेशी, गेर, जिसके पास अपनी भूमि नहीं है, जिसके साथ बाहरी व्यक्ति जैसा व्यवहार किया जाता है। उन्हें न्याय की अलग व्यवस्था नहीं मिलती. इसलिए, जो न्याय दिया जाता है, ईश्वर का अपने लोगों के लिए न्याय, सभी लोगों के लिए होता है, चाहे आप समाज के किसी भी सामाजिक या आर्थिक स्तर पर हों।

विधवा, अनाथ और निवासी एलियन के लिए फसल संबंधी प्रावधान [WORA]

इसलिए, श्लोक 19 से 22 में, हम अन्याय के इन रक्षात्मक निषेधों से हटकर कल्याण की आक्रामक गारंटी की ओर बढ़ते हैं। तो मुझे 19 से 22 पढ़ने दीजिए। यह अध्याय 24 का बिल्कुल

अंत होगा। तो, ये वे हैं जिन्हें हम वास्तव में कृषि कैलेंडर से जोड़ते हुए पढ़ते हैं। वह जो कहता है, कि जब तू अपने खेत में अपनी उपज काटे, और एक पूला खेत में भूल जाए, तो उसे लेने के लिये पीछे न लौटना। वह अनाथ, विधवा, और परदेशी के लिये है। जलपाई के विषय में भी यही बात है पेड़; तू ने अतिरिक्त को पेड़ पर रहने दिया, और वह अनाथों, विधवाओं और परदेशियों के लिए है। अंगूर के साथ भी, और श्लोक 22 में, "तुम्हें याद होगा कि तुम मिस्र देश में गुलाम थे । इसलिए, मैं तुम्हें यह काम करने की आज्ञा दे रहा हूं।"

निषेध और उदारता

तो, हमने कानूनों के इस संग्रह में देखा है कि ऐसे कानून हैं जो विशेष रूप से कहते हैं, मजदूरी मत रोको, रात भर प्रतिज्ञा मत लो, जानवरों पर अत्याचार मत करो, ये सब मत करो, और यहां हमने यह सुनिश्चित किया है कि आप भी उदारता की भावना विकसित कर रहे हैं।

और इन सबका आधार यह है कि आप एक बार मिस्र में गुलाम थे, और भगवान ने आपके लिए यह किया था। और इसलिए, आपको इसी तरह से धार्मिकता से काम करने के लिए बुलाया जा रहा है।

सारांश/निष्कर्ष - शून्य-राशि वाला खेल नहीं

मैं आगे बढ़ूंगा और आपको इस उद्धरण के साथ छोड़ूंगा क्योंकि मुझे लगता है कि व्यवस्थाविवरण जीवन जीने के इस आदर्श तरीके को विकसित करने में बहुत समय व्यतीत करता है। हमने इस बारे में बात की कि व्यवस्थाविवरण किस प्रकार वहां मौजूद संभावनाओं पर दृष्टि डाल रहा है। यदि वे अंदर जाते हैं, यदि वे बुद्धिमान तरीके से समाज की स्थापना कर सकते हैं, यदि उनके पास ऐसे नेता हैं जो लोगों के लिए हैं, लोगों के लिए हैं, यदि वे प्रकृति और मनुष्यों के साथ धार्मिक और ईश्वर-निर्देशित तरीके से व्यवहार करते हैं, तो इसमें बहुत संभावनाएं हैं।

तो यह उद्धरण रुएल हाउ द्वारा है और यह कहता है, "चर्च या लोगों का कोई अन्य समूह एक समुदाय कैसे बन जाता है? इज़राइली जब भूमि पर जाते हैं तो यही करने की कोशिश कर रहे हैं।" अच्छा, जवाब एकदम आसान है। "यह एक समुदाय बन जाता है जब व्यक्ति के रूप में,

सदस्य एक दूसरे के साथ बातचीत में प्रवेश करते हैं और अपने सामान्य जीवन की जिम्मेदारी लेते हैं। इस संवाद के बिना, व्यक्ति और समाज अमूर्त हैं। यह संवाद के माध्यम से है कि हमने व्यक्तित्व और समुदाय का चमत्कार पूरा किया है।"

और यद्यपि यह समुदाय निर्माण के हमारे आधुनिक विचारों से संबंधित एक आधुनिक उद्धरण है। यह व्यवस्थाविवरण को बहुत अच्छी तरह से दर्शाता है। क्योंकि व्यवस्थाविवरण आपके बारे में, व्यक्ति के बारे में, और आपके, लोगों के सामूहिक समूह के बारे में बात करता है। यह आपके बारे में बात करता है, व्यक्ति जिम्मेदारी लेता है, लेकिन फिर आप, नागरिक के रूप में पूरे समुदाय की जिम्मेदारी लेते हैं। और जब व्यवस्थाविवरण यह दृष्टि देता है कि यह स्थान कितना अच्छा हो सकता है। यह शून्य-राशि वाला खेल नहीं है. तो, जीरो-सम गेम एक आधुनिक व्यावसायिक शब्द है। हम अक्सर इस बारे में बात करते हैं कि अगर मैं जीतता हूं, तो आप हार जाते हैं। कि मेरी दौलत इस बात पर निर्भर करती है कि तुम्हारे पास दौलत नहीं है, वो या तो मेरी है या फिर तुम्हारी है। और हम बीच में शून्य-राशि के साथ समाप्त होते हैं। तो, मेरा प्लस-वन आपका -वन है, जो 0 के बराबर है।

जगह वैसी नहीं है. व्यवस्थाविवरण कहता है कि जितना अधिक आप किसी स्थान में, समुदाय में, अपने आस-पास की भूमि में निवेश करते हैं, वह स्थान सामूहिक रूप से उतना ही बड़ा होता है, और जितना बड़ा होता है, वह सभी को उत्साहित करता है। व्यवस्थाविवरण यह नहीं कह रहा है कि आपको अर्थव्यवस्था को समतल करने की आवश्यकता है और सभी के पास समान राशि होनी चाहिए। यह मान्यता है कि गरीब हैं , अमीर ज़मींदार हैं, जिनके पास ज़मीन नहीं है, विदेशी हैं, विधवाएँ हैं - चीजें होती हैं। समाज के भीतर मतभेद हैं, लेकिन अगर हर कोई समाज में अच्छा निवेश करे, तो हर कोई फल-फूल सकता है। और यह उस महान डिज़ाइन का हिस्सा है जो भगवान ने भूमि के लिए बनाई है।

जब हम अध्याय 26 पर आगे बढ़ेंगे, तो हम उन त्योहारों के बारे में बात करेंगे जिनमें लोग जॉर्डन नदी पर कदम रखने और भूमि में प्रवेश करने के बाद भाग लेते हैं।

यह डॉ. सिंथिया पार्कर और व्यवस्थाविवरण की पुस्तक पर उनका शिक्षण है। इस सत्र 10, व्यवस्थाविवरण 19 - 25 सामुदायिक कानून।